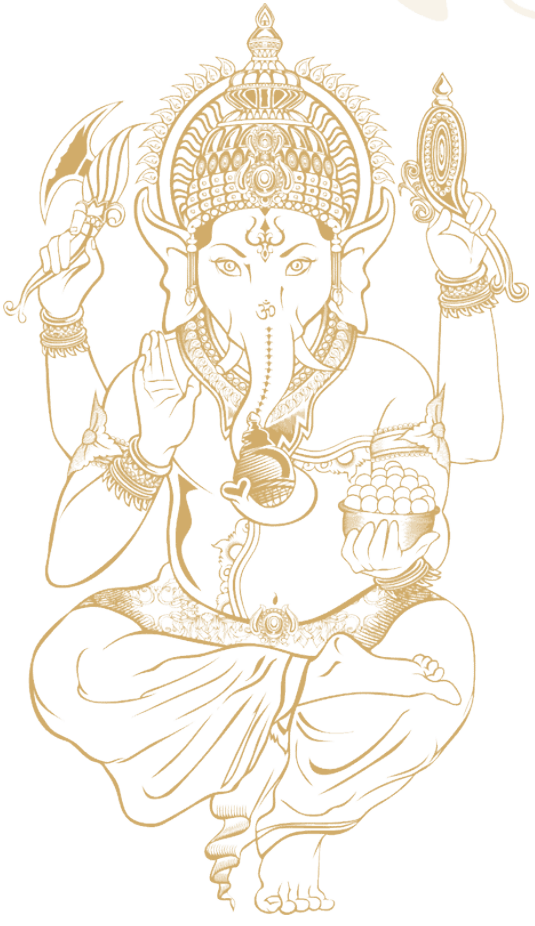

Krishna Kumar

06 Sep 2006

08:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121046902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/09/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	06:08:09 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल	07:10:12 घंटे
सूर्योदय	05:32:44 घंटे
सूर्यास्त	18:03:42 घंटे
दिनमान	12:30:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:25:36 सिंह
लग्न के अंश	21:56:57 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गगन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	21:56:57	325:32:56	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	19:25:36	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	25:46:29	14:54:29	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	04:42:42	00:38:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	23:57:58	01:50:55	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:12:57	00:09:16	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	05:51:22	01:14:09	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:37:25	00:07:14	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:25:14	00:01:06	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:25:14	00:01:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:46:15	00:02:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:47:21	00:01:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:07:37	00:00:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	22:13:48	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

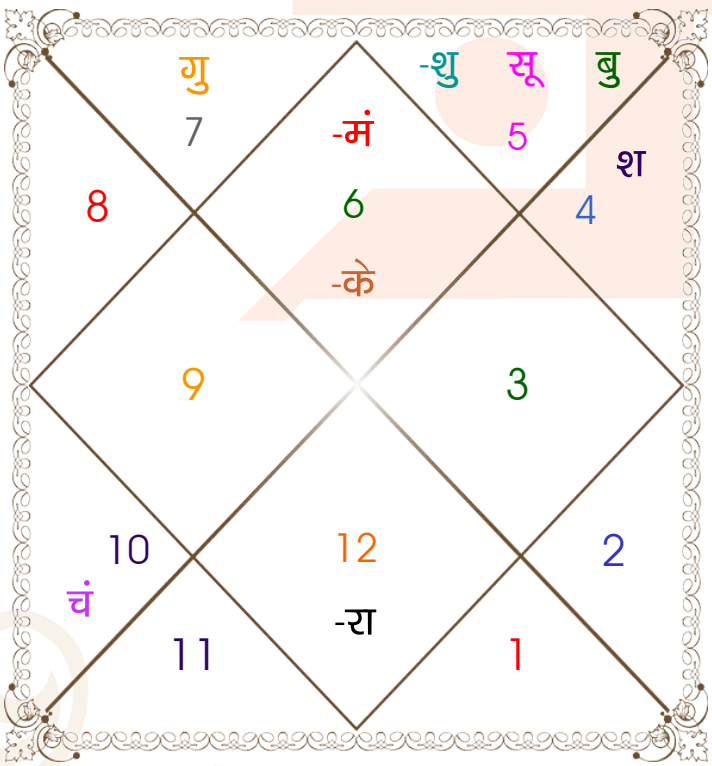

चन्द्र कुंडली

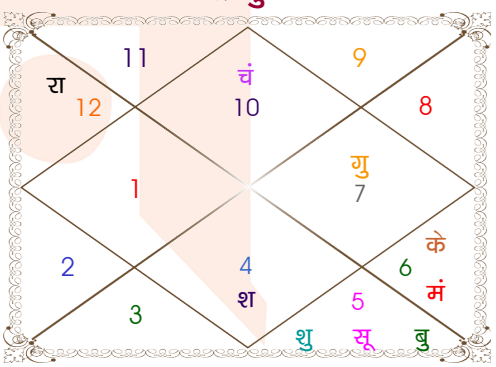

नवमांश कुंडली

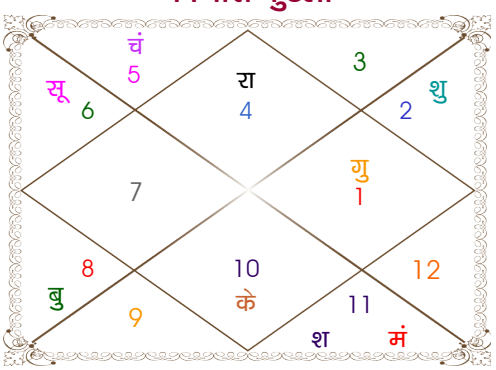

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 8 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/09/2006		25/05/2012		26/05/2030		26/05/2046		26/05/2065	
25/05/2012		26/05/2030		26/05/2046		26/05/2065		26/05/2082	
	06/09/2006	राहु	06/02/2015	गुरु	13/07/2032	शनि	29/05/2049	बुध	22/10/2067
राहु	09/11/2006	गुरु	01/07/2017	शनि	24/01/2035	बुध	06/02/2052	केतु	19/10/2068
गुरु	16/10/2007	शनि	07/05/2020	बुध	01/05/2037	केतु	17/03/2053	शुक्र	19/08/2071
शनि	24/11/2008	बुध	25/11/2022	केतु	07/04/2038	शुक्र	16/05/2056	सूर्य	25/06/2072
बुध	21/11/2009	केतु	13/12/2023	शुक्र	06/12/2040	सूर्य	28/04/2057	चंद्र	24/11/2073
केतु	19/04/2010	शुक्र	13/12/2026	सूर्य	24/09/2041	चंद्र	28/11/2058	मंगल	22/11/2074
शुक्र	20/06/2011	सूर्य	07/11/2027	चंद्र	24/01/2043	मंगल	06/01/2060	राहु	10/06/2077
सूर्य	25/10/2011	चंद्र	07/05/2029	मंगल	31/12/2043	राहु	12/11/2062	गुरु	16/09/2079
चंद्र	25/05/2012	मंगल	26/05/2030	राहु	26/05/2046	गुरु	26/05/2065	शनि	26/05/2082

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/05/2082		26/05/2089		27/05/2109		27/05/2115		27/05/2125	
26/05/2089		27/05/2109		27/05/2115		27/05/2125		00/00/0000	
केतु	22/10/2082	शुक्र	24/09/2092	सूर्य	13/09/2109	चंद्र	27/03/2116	मंगल	23/10/2125
शुक्र	22/12/2083	सूर्य	24/09/2093	चंद्र	15/03/2110	मंगल	26/10/2116	राहु	07/09/2126
सूर्य	28/04/2084	चंद्र	26/05/2095	मंगल	21/07/2110	राहु	26/04/2118		00/00/0000
चंद्र	27/11/2084	मंगल	25/07/2096	राहु	14/06/2111	गुरु	26/08/2119		00/00/0000
मंगल	25/04/2085	राहु	26/07/2099	गुरु	02/04/2112	शनि	27/03/2121		00/00/0000
राहु	14/05/2086	गुरु	27/03/2102	शनि	15/03/2113	बुध	26/08/2122		00/00/0000
गुरु	20/04/2087	शनि	27/05/2105	बुध	19/01/2114	केतु	27/03/2123		00/00/0000
शनि	28/05/2088	बुध	27/03/2108	केतु	27/05/2114	शुक्र	25/11/2124		00/00/0000
बुध	26/05/2089	केतु	27/05/2109	शुक्र	27/05/2115	सूर्य	27/05/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 8 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।